सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स स्कूल

एडजेसेंट नवनीतिअपार्टमेंट ,आई.पी.एक्सटेंशन,

पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२५-२६

कक्षा:-6	विषय: हिंदी कहानी संचय	पाठ:5

कहानी संचय कक्षा - 6

पाठ -5

उत्तर -1 काशी का राजा अपनी प्रजा का पालन संतान की तरह किया करते थे । वह किसी भी फैसले पर विचार करते समय किसी भी तरह का पक्षपात न करके ठीक फैसला किया करते थे । वह क्रोध और लोभ में पड़ कर कभी किसी का बुरा नहीं करते थे ।अच्छा आचरण होने के कारण उनकी कीर्ति दूर-दूर तक फैली हुई।

उत्तर -2 राजा अपनी प्रजा से अपने दोषों के बारे में सुनना चाहता था ताकि वह अपने दोषों के बारे में जानकर उन्हें दूर कर सकें।

उत्तर -3 कौशल के राजा की यह परेशानी थी कि वह भी अपने अवगुणों के बारे में जानने के लिए देशाटन कर रहे थे।

उत्तर -4 दोनों राजाओं ने रथ पीछे हटाने के लिए यह शर्त रखी जो उम्र ,राज्य ,धन,बल और कुल में कम होगा वही अपना रथ पीछे हटाएगा।

उत्तर -5 अंत में कौशलराज और उनके सारथि ने मन -ही -मन काशीराज के विनयशीलता की सराहना की और दोनों ने रथ से उतरकर काशीराज को प्रणाम किया और अपने रथ को लौटा कर उनके रथ को रास्ता दे दिया।